B-2
L-2
Ancient India

मध्यपाषाण काल: (10,000 ईसा पूर्व - 8,000 ईसा पूर्व)

* माइक्रोलिथ (Microlith): छोटे-छोटे उपकरण मुख्यतः ज्यामितीय आकार के होते थे।
* मध्य पाषाणकाल के अंत में पशुपालन प्रारंभ
  - → प्रथम पालतू पशु - कुत्ता
  - → बागोर (राजस्थान) तथा आदमगढ (मध्य प्रदेश) से पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य मिले हैं।
* मध्य पाषाण काल की प्रारंभ अवस्था तक मानव आखेटक व खाद्य संग्राहक था।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

नवपाषाण काल:

* पहली बार मृदभांड की शुरुआत
  - → कुम्हार के चाक पर बने हैं।
  - → काले रंग के मृदभांड जिसमें लाल-रंग से चित्रकारी की गयी थी।
* पहली बार कृषि की शुरुआत
  - → साक्ष्य: मेहरगढ (बलूचिस्तान)
    - ↓ गेहूं और जौ फसल
* आवास के साक्ष्य → मेहरगढ़
* पहिया (चाक) का आविष्कार

प्रमुख स्थल

* मेहरगढ़ (बलूचिस्तान) → सर्वप्रथम कृषि के साक्ष्य
  → आवास के साक्ष्य,
* बुर्जहोम (कश्मीर) → गर्त आवास
  → मालिक के साथ कुत्ते को दफनाने के साक्ष्य,
* गुफ्फकराल (कश्मीर) → कुम्हार के चाक के साक्ष्य,
* कोलडिहवा (उत्तर प्रदेश) → जंगली चावल के साक्ष्य,
* चिरांद (बिहार) → हड्डी के उपकरण के साक्ष्य,
* ब्रह्मगिरि (कर्नाटक) → मानव के स्थायी जीवन के साक्ष्य।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

पाषाण काल में गुफा चित्रकारी

* पाषाण काल में गुफा चित्रकारी उत्तर पुरापाषाण काल से होती है। सर्वप्रथम भीमबेटका से इस काल के चित्र मिलते हैं।

उत्तर पुरापाषाण काल

1. शैलाश्रय और गुफाओं की दीवारें क्वार्टजाइट से निर्मित थी।

2. रंग और रंजक द्रव्य को पत्थरों तथा खनिजों को पीसकर तैयार किया जाता था।

- लाल (गेरुआ) रंग : हिमरच
- हरा रंग : कल्सीडोनी
- सफेद रंग : चूना पत्थर

उत्तर पाषाणकालीन लोगों ने हरा, लाल, सफेद, पीला रंग खनिजों से प्राप्त किया।

3. बड़े जानवरों का चित्रांकन लाल व हरे से किया गया।

4. सामान्यतः पशुओं का शिकार करते हुए चित्रांकन किया गया है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

मध्यपाषाण कालीन चित्रकला

1. मुख्यतः लाल रंग का प्रयोग चित्रकारी हेतु किया गया।
2. इस काल में चित्रों की संख्या तो बढ़ गई परन्तु चित्रों का आकार छोटा हो गया।
3. मुख्यतः शिकार के दृश्य, चित्रों के विषय हैं।
   (A) समूह में शिकार
   (B) कांटेदार भाले, नोंकदार डंडे, तीर कमान आदि से शिकार के दृश्य
   (C) मानव को जाल के साथ दर्शाया गया है

(D) मध्य पाषाण काल के लोग जानवरों का चित्रांकन करने में अधिक रुचि रखते थे। हमें हिरण, तेंदुआ, चीता, छिपकली आदि का चित्रांकन मिलता है।

(E) पुरुष, स्त्री, बच्चों का भी रेखांकन मिलता है।

(F) सामुदायिक नृत्य का चित्रांकन भी महत्वपूर्ण है।

दक्कन नवपाषाण

* जानवरों के खुर/पंजे के निशान
* राख के ढेर
* चटाईदार मृदभाण्ड (काला रंग)
* सोने की अंगूठी (टेक्कलकोटा से प्राप्त)
* फसल → रागी

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR